भारत सरकार
जल शक्ति मंत्रालय
पेयजल एवं स्वच्छता विभाग

लोक सभा
अतारांकित प्रश्न सं. 3169
दिनांक 18.12.2025 को उत्तर दिए जाने के लिए

येत्तिनाहोल परियोजना की स्थिति

†3169. डॉ. के. सुधाकरः

क्या **जल शक्ति** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे किः
(क) येत्तिनाहोल परियोजना की वर्तमान स्थिति क्या है;
(ख) क्या सभी सर्वेक्षण, स्वीकृतियाँ और जमीनी स्तर के कार्य शुरू हो चुके हैं और यदि हाँ, तो अब तक पूर्ण किए गए योजनाबद्ध कार्यों की संख्या कितनी है;
(ग) क्या सरकार का दो वर्षों के भीतर नौ जिलों में लगभग पचहत्तर लाख लोगों को पेयजल उपलब्ध कराने का घोषित लक्ष्य है और यदि हाँ, तो तत्संबंधी जिले-वार ब्यौरा क्या है तथा प्रत्येक जिले में ऐसे लोगों की संख्या कितनी है और कुल लक्षित जनसंख्या का ऐसा कितना भाग है जिसे पहले ही जल आपूर्ति प्राप्त होनी आरंभ हो चुकी है;
(घ) येत्तिनाहोल परियोजना की अब तक स्वीकृत और उपयोग की गई कुल अनुमानित लागत कितनी है और लक्ष्य को पूरा करने के लिए अगले दो वर्षों में होने वाला अनुमानित व्यय कितना है; और
(ङ) सतत जल वितरण सुनिश्चित करने, अपव्यय को रोकने, गुणवत्ता मानकों को बनाए रखने तथा सभी नौ जिलों में और विशेषकर सबसे अधिक जल-संकटग्रस्त तथा पर्वतीय क्षेत्रों में इसकी समान आपूर्ति सुनिश्चित करने के लिए किए जा रहे उपाय क्या हैं?

उत्तर

राज्य मंत्री, जल शक्ति
(श्री वी. सोमण्णा)

(क) से (ङ): भारत सरकार राज्यों/संघ राज्य क्षेत्रों की भागीदारी से प्रत्येक ग्रामीण परिवार को (55 एलपीसीडी, बीआईएस: 10500 मानक पर) कार्यशील नल जल कनेक्शन प्रदान करने के लिए जल जीवन मिशन (जेजेएम) को कार्यान्वित कर रही है। चूंकि पेयजल राज्य का विषय

है, इसलिए इन स्कीमों की आयोजना, कार्यान्वयन, संचालन और अनुरक्षण की प्राथमिक जिम्मेदारी संबंधित राज्य/संघ राज्य क्षेत्र सरकारों की होती है। केंद्र सरकार इस मिशन में राज्यों की सहायता के लिए आवश्यक तकनीकी और वित्तीय सहायता प्रदान करती है।

येत्तिनाहोल परियोजना एक राज्य परियोजना है, जिसे कर्नाटक राज्य सरकार द्वारा वित्तपोषित और निष्पादित किया जाता है।

अगस्त 2019 में जल जीवन मिशन की शुरुआत में, कर्नाटक में लगभग 24.51 लाख ग्रामीण परिवारों के पास नल जल कनेक्शन होने की सूचना थी। मिशन के तहत लगभग 63.06 लाख और ग्रामीण परिवारों को नल जल कनेक्शन प्रदान किए गए हैं। 16.12.2025 तक, कुल 1,01,30,702 ग्रामीण परिवारों में से लगभग 87.57 लाख परिवारों (86.44%) को नल जल कनेक्शन प्रदान किए गए हैं। कर्नाटक में उन परिवारों का जिला-वार विवरण, जिनके पास नल जल कनेक्शन है, निम्नलिखित यूआरएल पर पब्लिक डोमेन में उपलब्ध है: https://ejalshakti.gov.in/jjmreport/JJMState.aspx

राज्यों/संघ राज्य क्षेत्रों को सलाह दी गई है कि वे जेजेएम मानकों के अनुसार नियमित समीक्षा के माध्यम से नल जल की कार्यशीलता और गुणवत्ता सुनिश्चित करें। राज्य आवंटन का 2% तक जल गुणवत्ता निगरानी और पर्यवेक्षण (डब्ल्यूक्यूएमएंडएस), प्रयोगशाला उन्नयन, एनएबीएल मान्यता और फील्ड परीक्षण किट (एफटीके) जैसे परीक्षण उपकरणों की खरीद के लिए समर्पित है। स्वास्थ्य जोखिमों को कम करने के लिए, राज्यों को स्कूलों और आंगनवाड़ियों में परीक्षण करने चाहिए। इसके अतिरिक्त, प्रति गांव पांच स्थानीय महिलाओं को आर्सेनिक और फ्लोराइड जैसे मापदंडों के लिए समुदाय-स्तरीय निगरानी करने के लिए प्रशिक्षित किया जाता है।

इसके अलावा, राज्यों/संघ राज्य क्षेत्रों को यह भी सलाह दी गई है कि वे समय-समय पर जल गुणवत्ता का परीक्षण करें और जहां भी आवश्यक हो, उपचारात्मक कार्रवाई करें, ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि परिवारों को प्रदान किया गया जल निर्धारित गुणवत्ता का है।

*****